केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 218 बुधवार 5 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

समयबद्धता से हो पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला सैनिक बन्धु समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि भूतपूर्व सैनिकों की जो भी समस्याएं हैं, उनका समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाय। निस्तारण करते समय इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाये कि पूर्व सैनिक अथवा उनका परिवार कार्यवाही से संतुष्ट हों। उन्होने भूतपूर्व सैनिको से कहा कि अपनी समस्याओं को लिखित रूप में दें ताकि उनका समाधान कराया जा सकें।

बैठक में भूतपूर्व सैनिको से संबंधित कुल 7 प्रकरण आयें, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। बैठक में एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी रूधौली शाहिद अहमद, सदर शत्रुध्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी देविन्दर गुहानी सहित भूतपूर्व सैनिक उपस्थित रहें।

परीक्षा देने जा रहे छात्र की ट्रेन से कटकर मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के गौर–टिनिच रेलवे स्टेशन के बीच केसरई गांव के निकट मंगलवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे एक छात्र की ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गौर पुलिस ने शव की शिनाख्त कर सूचना परिजनों को दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि पैकोलिया थानाक्षेत्र के औरातोंदा निवासी चौतूराम का 17 वर्षीय बेटा शिवम हाईस्कूल का छात्र था। बताया जा रहा है कि मंगलवार को शिवम परीक्षा देने के लिए घर से निकला था। गौर–टिनिच रेलवे स्टेशन के बीच केसरई गांव के पास किसी ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। स्टेशन मास्टर से मिली सूचना पर पहुंची गौर पुलिस पहुंच गई।

फॉर्च्यूनर ने ट्रैक्टर और कार को मारी ठोकर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती–बांसी मार्ग पर कोतवाली थानाक्षेत्र के बरगदवा के पास सोमवार की देर रात एक फॉर्च्यूनर बेकाबू हो गई। पहले सड़क से गुजर रहे एक ट्रैक्टर को ठोकर मारी। इसके बाद एक कार को चपेट में ले लिया। इसके बाद फॉर्च्यूनर सड़क किनारे पटरी पर जाकर रूक गई। हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। ट्रैक्टर चालक को हल्की चोट आई है। तेज टक्कर के कारण तीनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। चौकी प्रभारी बड़ेवन अशोक कुमार चंद ने बताया कि तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर के अनियंत्रित होने से हादसा घटित हुआ। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। ट्रैक्टर चालक को हल्की चोट आई है। मौके पर जब टीम पहुंची तो वह भी अपना इलाज कराने जा चुका था। जिससे नाम पता नहीं मिल सका।

राम मंदिर से पहले माफियाओं का राम नाम सत्य, अपराधों में कमी आयी– योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में एनसीआरबी की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि किस तरह से यूपी में जघन्य अपराधों में कमी आई है। इस दौरान सामने बैठे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव का नाम पुकारते हुए कहा कि प्रदेश में अब फिरौती के लिए अपहरण में भी कमी आई है। सीएम योगी ने कहा कि हमारा प्रयास था कि राम मंदिर के निर्माण से पहले माफियाओं का राम नाम सत्य हो जाए। आज हम अपनी कोशिशों में सफल हुए हैं। सीएम योगी ने यह भी बताया कि किस तरह से हमने पुलिस को ज्यादा अधिकार और ट्रेनिंग देकर सशक्त बनाया है।

सीएम योगी ने पिछली सपा सरकार से तुलना करते हुए बताया कि लूट के मामलों में 77.43 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के मामलों में 41.01 प्रतिशत, बलबा के मामलों में 66.40 प्रतिशत की कमी आई है। फिरौती के लिए अपहरण का डाटा देते समय योगी ने कहा कि शिवपाल जी इसमें भी कमी आई है। फितौरी के लिए अपहरण में 54.72 प्रतिशत की कमी आई है।

शिवपाल की ओर ही इशारा करते हुए कहा कि अब वह प्रवृत्ति समाप्त हो गई है जो आप लोगों ने पैदा किया था। वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया आपने पैदा किया था। अब माफिया नहीं है। अब माफिया दूर की कौड़ी हो गए हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने गोरखपुर का नाम लिया तो योगी ने कहा कि गोरखपुर के माफियाओं को पहले ही निपटा चुके थे। बाकि जो बचे खुचे थे, उनको भी उनकी गति को पहुंचा दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि हम लोगों का प्रयास था कि राम मंदिर बनने से पहले इन सभी माफियाओं का राम नाम सत्य हो जाए। लेकिन जो बचे थे, समय के अंतराल में सबकुछ हो गया है। यह सब करने में हम सफल हुए हैं। कहा कि पुलिस के रिफार्म जो हम लोगों ने किया है। पुलिस की सुविधाओं को बढ़ाया है। उनकी ट्रेनिंग को बेहतर किया है। यह वही प्रदेश है, जब पहले अपराधी दौड़ाता था और पुलिस भागती थी। माफिया के सामने सारे प्रोटोकॉल फेल हो जाते थे। पुलिस पहले माफिया को सैल्यूट करती थी।

सीएम योगी ने बिना मुख्तार अंसारी का नाम लिए कहा कि आप लोगों ने वह दृश्य भी देखा होगा कि एक माफिया ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के काफिले को रोक दिया था। जिस माफिया के लिए दस–दस जजेस ने कोर्ट में सुनवाई से इनकार कर दिया था। वही माफिया जब इस सरकार के समय पुलिस की गिरफ्त में आया तो उसकी पैंट गिली हो गई थी। आज वही धमक इस सरकार में दिखाई दे रही है। इसका परिणाम हम लोगों के सामने हैं।

पूर्व शिक्षा निदेशक, एमएलसी सपा नेता बासुदेव यादव गिरफ्तार

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व एमएलसी और पूर्व शिक्षा निदेशक बासुदेव यादव को विजिलेंस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। बासुदेव यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक्शन हुआ है। वाराणसी की विजिलेंस टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ जार्जटाउन स्थित आवास से बासुदेव यादव को गिरफ्तार किया और अपने साथ वाराणसी लेकर चली गई है। बासुदेव यादव पर आय से अधिक संपत्ति मामले में कोर्ट में पेशी नहीं होने पर गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। यूपी में योगी सरकार बनने पर सितंबर 2017 में सीएम के निर्देश पर बासुदेव की संपत्तियों की जांच शुरू हुई थी।

बासुदेव यादव पर शिक्षा निदेशक के पद पर रहते हुए अवैध तरीके से संपत्ति जुटाने का आरोप है। विजिलेंस ने बासुदेव यादव की एक निर्धारित अवधि के बीच हुई आय, खर्चों, खरीदी गई संपत्तियों व निवेशों के बारे में गहनता से पड़ताल की। विजिलेंस की जांच में सामने आया है कि वासुदेव यादव की निर्धारित अवधि में आय करीब 89.42 लाख रुपये थी, जबकि उनका खर्च लगभग 1.86 करोड़ रुपये से अधिक मिला।

उनकी कुल आय से करीब 97. 34 लाख रुपये अधिक खर्च रही। कुल आय से करीब 109 प्रतिशत अधिक संपत्ति जुटाने के साक्ष्य एकत्र करने के बाद विजिलेंस ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी। खुली जांच के दौरान बासुदेव यादव ने अपना बयान भी नहीं दर्ज कराया था। शासन से अनुमति मिलने के बाद छह अप्रैल 2021 को इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने प्रयागराज के विजिलेंस थाने में बासुदेव यादव के खिलाफ इन्हीं आरोपों के साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। लगभग दो साल से इस केस की जांच चल रही है।

समाजवादी पार्टी सरकार में बासुदेव यादव का काफी रसूख रहा है। अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनने के चंद दिनों बाद ही इन्हें माध्यमिक शिक्षा निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंप दी गई थी। 2014 में वासुदेव यादव के खिलाफ एक जनहित याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर की गई थी। इसमें उन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए गए थे। इन पर पत्नी और बच्चों के नाम पर करोड़ों की लागत से शिक्षण संस्थाएं खोलने और संपत्ति खरीदने के आरोप लगाए गए थे।

दिव्यांगजन युवाओं के लिए करियर परामर्श कार्यशाला में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिक्षित युवा सेवा समिति द्वारा प्रेस क्लब सभागार में 'एक दिवसीय करियर परामर्श कार्यशाला' का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 'इनेबल इंडिया' के सहयोग एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई, जिसमें 'विभिन्न श्रेणी के 40 से अधिक शिक्षित दिव्यांगजन युवाओं' ने भाग लिया।

इनेबल इंडिया से आई प्रतिनिधि 'कुमारी प्रतिभा' ने इस कार्यशाला में दिव्यांगजनों के करियर एवं नौकरी से जुड़ी 'चुनौतियों, अवसरों और समाधान' पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अपने 'व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए दिव्यांग युवाओं को करियर निर्माण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन' प्रदान किया।

कार्यशाला के प्रारंभ में 'शिक्षित युवा सेवा समिति के निदेशक, गोपाल कृष्ण अग्रवाल' ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और 'इनेबल इंडिया का आभार व्यक्त' किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी इस तरह की 'करियर एवं रोजगार उन्मुख गतिविधियों का आयोजन जारी रहेगा' ताकि दिव्यांग युवाओं को 'सरकारी योजनाओं और उपलब्ध सुविधाओं' का अधिकतम लाभ मिल सके।

कार्यक्रम के अंत में 'सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए', और इनेबल इंडिया की प्रतिनिधि 'कुमारी प्रतिभा ने भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया'।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से 'दिव्यांगजन राकेश कुमार सोनी, जहांगीर, शिवेंद्र, रामवृक्ष, आकांक्षा त्रिपाठी', शिक्षित युवा सेवा समिति के 'चंदेश्वर प्रसाद मिश्रा, राम सुरेश, जितेंद्र श्रीवास्तव, चांदनी त्रिपाठी, अनुसूया देवी, प्रतिभा' सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। दिव्यांग युवाओं के साथ उनके 'परिवारजन' भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

आईजीआरएस शिकायतों का प्रभावी निस्तारण न होने पर होगी विभागीय कार्यवाही

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायत की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। उन्होने सभी विभागों के विभागाध्यक्ष को निर्देशित किया है कि किसी भी दशा में आईजीआरएस पर प्राप्त संदर्भो को डिफाल्टर की श्रेणी में न आने दे, अन्यथा की स्थिति में संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए विभागीय कार्यवाही की जायेंगी। उन्होने यह भी कहा कि प्राप्त प्रार्थना पत्रों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के साथ ही श्रेणी का चयन अपनी मौजूदगी में करायें।

समीक्षा में पुलिस, पीडब्ल्यूडी, पंचायत, गन्ना, बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व विभाग द्वारा श्रेणी का चयन सही से नही किया जा रहा है, इस पर उन्होने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि श्रेणी का चयन ठीक प्रकार से कराये, जिससे जिले की रैंक प्रभावित ना हो। बैठक में एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, प्रभारी सीडीओ राजेश कुमार, वनाधिकारी जय प्रकाश, उप जिलाधिकारी रूधौली शाहिद अहमद, सदर शत्रुध्न पाठक, हर्रैया विनोद पाण्डेय, भानपुर आशुतोष तिवारी, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, डीपीआरओ रतन कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी, एआरटीओ पंकज कुमार, ई.डी.एम. सौरभ द्विवेदी तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

शिक्षकों ने लेखाधिकारी, कर्मचारियों को सम्मानित किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बेसिक शिक्षा विभाग के वित्त एवं लेखा अधिकारी अभिनय कुमार सिंह और उनके कार्यालय स्टाफ ने बेहतर कार्य करते हुए जनपद के परिषदीय शिक्षक और कर्मचारियों का टैक्स कटौती फीड करते हुए फरवरी माह का वेतन 1 मार्च को देने का ऐतिहासिक कार्य किया है। जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने लेखा अधिकारी और उनके पूरे स्टाफ का माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। लेखाधिकारी ने संगठन के पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि कार्यालय स्टाफ और आप लोगों की बदौलत यह संभव हो सका।

–कार्यालय के कर्मचारियों, संगठन के पदाधिकारियों की मेहनत से हुआ ऐतिहासिक कार्य- अभिनय सिंह

जिलाध्यक्ष ने कहा कि गत वर्षों का रिकार्ड देखा जाए फरवरी माह का वेतन मार्च के अंतिम तक या अप्रैल महीने में प्राप्त होता था जिससे हम लोगों को तमाम आवश्यक आवश्यकताओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता था लेकिन कार्यालय के स्टाफ ने मिलकर इस बार ऐतिहासिक कार्य किया है जिससे पूरे बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों और कर्मचारियों में खुशी की लहर है। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि यह जिले में ही नहीं बल्कि प्रदेश में पहली बार हुआ है कि किसी जनपद में शिक्षकों को फरवरी का वेतन समय से आयकर कटौती होकर मिला है। जो कि अपने में एक बड़ी बात है । जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि इस बार वित्त एवं लेखाधिकारी के निर्देश पर शिक्षकों ने भी समय से फॉर्म भरकर कार्यालय भिजवाया। जहां पर शिक्षकों और कर्मचारियों ने मिलकर फार्मों की जांच आदि का कार्य समय से कर लिया जिससे कि यह कार्य आसानी से हो सका। लेखा कार्यालय में कार्यरत संजय श्रीवास्तव, कलीमुद्दीन, अमित श्रीवास्तव, आलोक कुमार, राजकुमार बरनवाल, कल्पनाथ, वसीम के कुशल नेतृत्व में यह कार्य संभव हो सका।

जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, प्रवीण श्रीवास्तव,रुकनुद्दीन, उमाशंकर पाण्डेय, विवेक कांत पाण्डेय अध्यक्ष सनद पटेल, अशोक यादव, शिवरतन, डॉक्टर प्रमोद सिंह, रवि प्रताप सिंह,अखिलेश पांडेय, हरिओम यादव, हरेंद्र यादव,सुरेश गौड़, नन्दलाल,रामभवन, विवेक सिंह,अटल उपाध्याय, आनंद गौतम,संजय चौधरी, बृजेश त्रिपाठी, रामपियारे कनौजिया,दिनेश सिंह, वेद उपाध्याय सुरेश गौड़ अंगद सिंह, संतोष मिश्रा, अविनाश दुबे, आशीष दुबे, उमाशंकर पाण्डेय, अनिल पाठक, संतोष पाण्डेय, आज्ञाराम वर्मा, शेषनाथ यादव,रजनीश यादव,गौरव चौधरी, संजय यादव, देवेंद्र सिंह, रंजन सिंह, रामसागर वर्मा उपस्थित रहे।

महाकुंभ में नाविक परिवार ने कमाये 30 करोड़, मुख्यमंत्री योगी ने सदन में दिया सफलता की जानकारी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए बताया कि महाकुंभ के आयोजन से प्रदेश को तीन लाख करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति हुई है। उन्होंने अलग–अलग सेक्टर में हुई कमाई का भी ब्योरा दिया। इसके साथ ही प्रयागराज के एक नाविक परिवार की सक्सेस स्टोरी भी सुनाई। सीएम योगी ने बताया कि इस नाविक परिवार ने 45 दिनों के महाकुंभ में 30 करोड़ रुपए की शुद्ध बचत की है।

नाविक परिवार की सक्सेस स्टोरी सुनाते हुए सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना भी साधा। कहा कि सपा सबसे ज्यादा शोर मचाती रही। हमेशा कहती रही कि नाविकों का वहां शोषण हो रहा है। उन्हें कमाई नहीं करने दिया जा रहा है। जबकि असलियत इसके विपरीत है। सीएम योगी ने बताया कि वहां के एक नाविक परिवार में 130 नावें हैं। एक नाव ने करीब 23 लाख रुपए की कमाई की है। प्रति दिन की बचत देखेंगे तो एक नाव ने 50 से 52 हजार रुपया कमाया है। इस तरह पूरे परिवार की कमाई 45 दिनों में ही 30 करोड़ रुपए की हुई है।

सीएम योगी ने कहा कि 27 फरवरी को महाकुंभ के समापन पर वहां गया था। पहले मां गंगा के प्रति कृतज्ञता जताई, उनका पूजन किया। इसके बाद नाविकों के साथ संवाद भी किया था। नाविकों के लिए पैकेज की भी घोषणा की गई थी। सीएम योगी ने कहा कि हम सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं। 45 दिनों के आयोजन ने भारत की विरासत और विकास की एक अनुपम छाप न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में छोड़ी है। महाकुंभ का आयोजन हमारे लिए अग्निपरीक्षा थी। इसमें केंद्र और राज्य सरकारें खरी उतरीं। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन की गूंज दुनिया में लंबे समय तक सुनाई देगी।

सीएम योगी ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आप कहते हैं कि हमारी सोच सांप्रदायिक है, आप मुझे बताइए कि हमारी सोच कहां से सांप्रदायिक है। हमारा तो आदर्श है सर्व भवंतु सुखिनः, सरवे सरवे संतनु निरामया। क्या उसमें किसी के साथ कोई भेदभाव हुआ है। न जाति का भेद, ना क्षेत्र का भेद, ना मत और मजहब का भेद था। 100 से अधिक देशों के लोग बड़ी श्रद्धा भाव के साथ आए। जो भी विकास और विरासत की इस अनुपम छटा का सहभागी बना वह अभिभूत होकर गया।

सीएम योगी ने कहा कि ये हमारे सनातन धर्म के लिए गौरव की बात है। ये सिर्फ आध्यात्मिक उपलब्धि नहीं है बल्कि इस आयोजन से हमारी अर्थव्यवस्था को साढ़े तीन लाख करोड़ का लाभ होने की उम्मीद है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में सबसे ज्यादा लाभ होटल उद्योग को हुआ है। इससे करीब 40 हजार करोड़ रुपए का राजस्व की उम्मीद है।

कामरू कामाख्या मंदिर के लोकार्पण में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पाण्डेय बाजार बांसी रोड वार्ड नम्बर 1 मारवाडी मंदिर के सामने स्थित कामरू कामाख्या मंदिर के लोकार्पण की घोषणा के बाद कुछ लोगों द्वारा मनगढन्त विरोध को लेकर नागरिकों में रोष है। मंगलवार को पाण्डेय बाजार निवासी दिलीप सिंह, गोपेश पाल, गौरव गुप्ता 'विक्की आदि ने पत्रकारों से वार्ता के दौरान बताया कि पदमावती देवी और उनके पुत्र अन्नजय जायसवाल द्वारा मनगढन्त ढंग से मंदिर निर्माण में बाधा उत्पन्न किया जा रहा है और भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल और मारवाडी मंदिर के पुजारी मनीष शर्मा पर अनर्गल आरोप लगाये जा रहे हैं।

–पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल पर लगाये जा रहे मनगढन्त आरोपों से आक्रोश

–8, 9, 10 मार्च को होना है मंदिर का लोकार्पण

नागरिकों ने पत्रकारो को बताया कि आगामी 8, 9, 10 मार्च को कामरू कामाख्या मंदिर का लोकार्पण धार्मिक अनुष्ठान के साथ किया जायेगा जिसमे पुरानी और नयी देवी देवताओं की प्रतिमा विधि विधान से पूजित होकर स्थापित होंगी। इस मंदिर का निर्माण स्वर्गीय जिलेबा देवी ने अपने पति की स्मृति में 1956 में कराया था। इसके लिये उन्होने वसीयत भी किया था। बताया कि स्थानीय नागरिकों के सहयोग से जब तक मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जा रहा था पदमावती देवी और उनके पुत्र अन्नजय जायसवाल कभी दिखायी नहीं पड़े और कोई सहयोग भी नहीं किया। अब लोकार्पण से पूर्व उच्चाधिकारियों को पत्र देकर गुमराह करने के साथ ही पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल पर मनगढन्त आरोप लगाये जा रहे हैं। अन्नजय जायसवाल मकान नम्बर 462 को हड़प लेना चाहते हैं।

पाण्डेय बाजार के नागरिकों ने एक स्वर से जिला प्रशासन से मांग किया कि मंदिर के लोकार्पण में बाधा उत्पन्न करने वाले अनन्जय जायसवाल पुत्र स्वर्गीय मोहन लाल के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय। प्रेस वार्ता के दौरान मुख्य रूप से चुनमुन लाल, दिनेश गुप्ता, सुनील तुलस्यान, स्कन्द जायसवाल, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता, मनीष गुप्ता, गंगा जायसवाल, देवांशु गुप्ता, सचिन भाटिया, सन्नी गुप्ता, नीरज गुप्ता, राजेश मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 मार्च 2025 बुधवार

सम्पादकीय

आस्था के डुबकी का उत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा–यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल–कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने–जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस–अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग–संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी–पत्री के स्वतरूस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग–परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी–विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था।

इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ– तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है। दिल्ली रेलवे स्टेशन का हादसा इसका ज्वलंत उदाहरण है। महाकुंभ के सफल आयोजन ने बताया है कि देश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। देश में महाकाल कोरिडोर व काशी कोरिडोर की तर्ज पर चारों कुंभ स्थलों पर संरचना निर्माण की दिशा में सोचा जाना चाहिए। प्रयागराज महाकुंभ से प्रेरित होकर महाराष्ट्र सरकार ने नासिक में 2027 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों की शुरुआत कर दी है। बहरहाल, महाकुंभ को सामाजिक समरसता के उत्सव के रूप में भी याद किया जाएगा, जहां जाति, धर्म, क्षेत्र व भाषा की वर्जनाएं टूटती नजर आई। महत्वपूर्ण यह भी कि तीर्थयात्री तमाम कष्टों को सहते हुए सनातन संस्कृति में अटूट आस्था दिखाते रहे। महाकुंभ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का झाडू लेकर सफाई में जुटना और सफाईकर्मियों के बीच अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भोजन करना एक प्रशंसनीय प्रयास हैं। वहीं कुंभ आयोजन की रीढ़ रहे पुलिसकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों, रोडवेज कर्मियों, सफाईकर्मियों को बोनस, छुट्टी और स्मृतिचिन्ह व प्रशस्ति–पत्र देना एक अनुकरणीय पहल है। इससे ऐसे आयोजनों के लिये नई ऊर्जा मिलेगी।

यूक्रेन के दुर्लभ खनिज पर अमेरिका की बुरी नजर

—पुष्परंजन—

'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन–देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन–देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।'

शुक्रवार को पूरी दुनिया की निगाहें व्हाइट हाउस में होने वाली एक डील पर होंगी, जिसे एक देश पर थोपा जाना है। अमेरिका जिन देशों को आर्थिक मदद देता है, उसे किस रूप में वसूलता है, यह देखने के लिए भारत के लोग भी तैयार हो जाएं। यूक्रेन की लीडरशिप के लिए आगे कुआं–पीछे खाई वाली स्थिति है। जेलेंस्की पुतिन से बचने के वास्ते अमेरिका से मदद की अपेक्षा कर रहे थे, ट्रंप ने भूखे हिंस्र जंगल के राजा की तरह 'मेमने' को दबोच लिया। ट्रंप ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा, 'मैंने सुना है कि वह शुक्रवार को आ रहे हैं। निश्चित रूप से, अगर वह चाहें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ट्रम्प ने कहा, कि यह डील एक ट्रिलियन डॉलर तक की हो सकती है, इससे अमेरिकी करदाताओं को उनका पैसा वापस मिल जाएगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, कि अमेरिका और यूक्रेन ने महत्वपूर्ण खनिजों के सौदे के मसौदे पर सहमति जताई है, जिसकी कीमत लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। यह सौदा यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की द्वारा पहले के मसौदे को अस्वीकार करने के एक सप्ताह बाद हुआ है। ट्रम्प ने मंगलवार को ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि जेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन आकर एक 'बहुत बड़ी डील' पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। बुधवार शाम को, जेलेंस्की ने कहा कि यह अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक आर्थिक ढांचा है, जिसमें अभी तक कोई अमेरिकी सुरक्षा गारंटी शामिल नहीं है।

पिछले हफ्ते जेलेंस्की ने एक पुराने ड्राफ्ट को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि इसमें यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के बारे में विवरण नहीं था। ट्रंप अब भी बदले नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को कहा, 'मैं बहुत ज्यादा सुरक्षा गारंटी नहीं देने जा रहा हूं। हम यूरोप से ऐसा करवाने जा रहे हैं।' नोक–झोंक में ट्रम्प ने जेलेंस्की को 'तानाशाह' तक कह डाला था। सोमवार को, जेलेंस्की ने कहा था कि मैं शांति के लिए इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं। जेलेंस्की ने मांग की, कि यूक्रेन को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता दी जानी चाहिए। लेकिन, वाशिंगटन ने नाटो का सदस्य बनने की मांग को 'अवास्तविक' करार दिया है। अमेरिका की गिद्ध दृष्टि यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा पर है।

दुर्लभ मृदा खनिज वैश्विक स्तर पर पृथ्वी के गर्भ में पाए जाने वाले 17 भारी धातुओं का एक समूह है। नियोडिमियम, लैंथेनम, सेरियम, प्रेजोडियम, यिट्रियम, टेरबियम और यूरोपियम जैसे कुछ दुर्लभ मृदा तत्वों का उपयोग कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, टेलीविजन, मोबाइल स्क्रीन और कैमरा लेंस जैसे उच्च तकनीक वाले उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। वर्तमान में, ऐसे दुर्लभ खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक चीन है, जो दुनिया की आपूर्ति का कम से कम 60 प्रतिशत निकालता है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में अमेरिका अपनी 80 प्रतिशत दुर्लभ खनिजों की जरूरतों के लिए चीन, मलेशिया, जापान और एस्टोनिया पर निर्भर था। कीव के साथ दुर्लभ खनिजों का सौदा करने के पीछे की मंशा, अमेरिका को बड़ी तकनीक का अधिकेंद्र बनाना है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने एक अन्य करीबी सहयोगी ताइवान पर अमेरिका के चिप व्यवसाय को चुराने का भी आरोप लगाया था। टैरिफ की धमकियों के बीच, ताइवान ने अमेरिका में निवेश बढ़ाने का वादा किया।

इस महीने की शुरुआत में, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा था, कि हम यूक्रेन को वाशिंगटन द्वारा भेजे गए लगभग 375.8 बिलियन डॉलर की वापसी चाहते हैं। कीव को भेजी गई सहायता के बारे में ट्रम्प के अनुमान अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के विपरीत हैं। 'यूक्रेन ओवरसाइट' के अनुसार, 30 सितंबर, 2024 तक अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए कुल 183 बिलियन डॉलर भेजे थे, जो यूक्रेन को भेजी गई सहायता को रिकॉर्ड करने के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा बनाई गई एक वेबसाइट है।

जिस स्टाइल में ट्रंप यह सब कर रहे हैं, उसका दुनिया भर में विरोध होना शुरू हो गया है। 'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन–देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन–देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।'

यूक्रेन के पास 34 पदार्थों में से 22 मिनरल्स हैं जिन्हें यूरोपीय संघ 'महत्वपूर्ण कच्चे माल' के रूप में परिभाषित करता है। दुनियाभर में 110 मिलियन टन दुर्लभ खनिज हैं। इसमें से 44 मिलियन टन चीन में हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा ब्राजील में 22 मिलियन टन, वियतनाम में 21 मिलियन टन, रूस में 10 मिलियन टन, और भारत में 7 मिलियन टन दुर्लभ खनिज का अनुमान है। कोई सुरक्षा गारंटी नहीं, फिर भी जेलेंस्की अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, क्या यह किसी किस्म का ब्लैकमेल है? मॉस्को ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है, जिसे उसने 2014 में अपने साथ मिला लिया।

ठीक से देखा जाये, तो यूरोप के नेता इस जबरदस्ती के सौदे वाले सवाल पर बंटे हुए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दुर्लभ खनिज सौदे का समर्थन किया है। यूरोजोन की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी, दुर्लभ खनिज सौदे का विरोध कर रहा है। निवर्तमान जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने दुर्लभ खनिज सौदे के लिए ट्रंप के प्रयास की आलोचना करते हुए, इसे 'बहुत अहंकारी' और 'बहुत आत्मकेंद्रित' बताया। ओलाफ शॉल्त्स ने तर्क दिया है कि यूक्रेन को युद्ध के कारण हुए विनाश से उबरने के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता है। विगत रविवार को जर्मनी के चुनाव में जीत हासिल करने वाले क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) के नेता फ्रीडरिष मैर्त्स ने भी जेलेंस्की पर ट्रंप के हमलों की निंदा की है।

लेकिन, ट्रम्प यूरोपीय नेताओं द्वारा निंदा की परवाह नहीं करते। उन्होंने कहा, 'पिछले प्रशासन ने हमें बहुत खराब स्थिति में डाल दिया था, लेकिन हम एक ऐसा सौदा करने में सक्षम हैं, जिसके तहत हमें पैसा वापस मिलेगा, और भविष्य में बहुत सारा पैसा मिलेगा।' रूस को इस सौदे से कोई आपत्ति नहीं है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, कि अमेरिका और रूसी अधिकारी गुरुवार को इस्तांबुल में मिलेंगे। लेकिन ये लोग दिल्ली में क्यों नहीं मिलते? पीएम मोदी ने कितनी मेहनत की थी!–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दोषी नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध पर विमर्श

—कमलेश पाण्डेय—

अपने हलफनामे में केंद्र ने रेखांकित किया है कि सुप्रीम कोर्ट ने लगातार यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प के असर को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। ऐसे में इस विषय पर न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है! इसलिए कोर्ट विवेकसम्मत व न्यायसंगत निर्देश दे। बता दें कि वर्तमान में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, किसी भी नेता को सजा होने के बाद 6 साल तक चुनाव लड़ने से रोका जाता है। इसलिए केंद्र ने कहा है कि उक्त धाराओं के तहत आजीवन प्रतिबंध लगाना सही नहीं होगा।

सरकार के मुताबिक, संसद के पास अयोग्यता के आधार और उसकी समयसीमा, दोनों तय करने की शक्ति है। ऐसे में आजीवन प्रतिबंध लगाना सही होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

जब राजनीति से भ्रष्टाचार और अपराध खत्म करने के दृष्टिगत केंद्र सरकार ही गम्भीर नहीं है, तब इसे रोकवा पाना न्यायपालिका के लिए कतई संभव नहीं है। चूंकि केंद्र सरकार अपने वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व के इशारे पर हर फैसले लेती है, इसलिए बेलगाम नेताओं को कानूनी नजरिए से बांधने की अधिकांश न्यायिक पहल भी बेकार चली जाती है। सच कहूं तो नक्कारखाने में तूती की आवाज बनकर रह जाती है।

ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि खुद केंद्र सरकार ने ही दोषी करार दिए गए राजनीतिक नेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली एक अर्जी का सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया है। इससे सरकार की श्बदनीयतीश समझ में आती है। एक तो वह समय रहते ही कानून नहीं बनाती है और दूसरे जब इसकी मांग उठती भी है तो अपने पूरे सियासी गिरोह की ढाल बनकर खड़ी हो जाती है।

तभी तो सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि इस तरह की अयोग्यता तय करना केवल संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। वहां दाखिल अपने हलफनामे में केंद्र ने कहा है कि अर्जी में जो अनुरोध किया गया है, वह विधान को फिर से लिखने या संसद को एक खास तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है। चूंकि संविधान ने संसद को अयोग्यता से जुड़े ऐसे अन्य कानून बनाने का अधिकार दिया है, जिसे बनाना वह सही समझता हो।

सरकार के मुताबिक, संसद के पास अयोग्यता के आधार और उसकी समयसीमा, दोनों तय करने की शक्ति है। ऐसे में आजीवन प्रतिबंध लगाना सही होगा या नहीं, यह पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। सरकार का तर्क है कि कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार तय होते हैं। लिहाजा, सजा के असर को एक समय सीमा तक सीमित रखना कोई असंवैधानिक बात नहीं है। बता दें कि संविधान के अनुच्छेद 102 और 191 संसद, विधानसभा या विधानपरिषद की सदस्यता के लिए अयोग्यता से सम्बन्धित है।

अपने हलफनामे में केंद्र ने रेखांकित किया है कि सुप्रीम कोर्ट ने लगातार यह कहा है कि एक विकल्प या दूसरे पर विधायी विकल्प के असर को लेकर अदालतों में सवाल नहीं उठाया जा सकता। ऐसे में इस विषय पर न्यायिक हस्तक्षेप उचित नहीं है! इसलिए कोर्ट विवेकसम्मत व न्यायसंगत निर्देश दे। बता दें कि वर्तमान में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 (1) के तहत, किसी भी नेता को सजा होने के बाद 6 साल तक चुनाव लड़ने से रोका जाता है। इसलिए केंद्र ने कहा है कि उक्त धाराओं के तहत आजीवन प्रतिबंध लगाना सही नहीं होगा।

इस प्रकार सरकार ने कोर्ट के समक्ष तीन बातें स्पष्ट कर चुकी है। पहला यह कि संविधान ने संसद को अयोग्यता से जुड़े कानून बनाने का अधिकार दिया है। दूसरा यह कि यह न्यायिक समीक्षा से जुडी सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों से पूरी तरह से परे है। और, तीसरा यह कि दोषी राजनेताओं पर आजीवन बैन सही है या नहीं, यह सवाल पूरी तरह से संसद के दायरे में आता है।

इससे साफ है कि सरकार में शामिल राजनीतिक नेतृत्व अपने दूरगामी राजनीतिक हितों के दृष्टिगत राजनेताओं के खिलाफ सही और तर्कसंगत कानून भी नहीं बनने देता है और जब जब ऐसी बात उठती है तो वह तमाम तरह के किंतु–परन्तु करता है। यही वजह है कि हमारी संसद में गरीबों को छोड़कर हर तरह के लोग मिल जाएंगे। गम्भीर अपराध और चरित्रहीनता के आरोपी भी! श्दंगाईश और श्देशद्रोहीश भी! क्योंकि कानून राजनेताओं के पक्ष में है, जिसका ये भरपूर लाभ उठाते हैं। एडीआर की रिपोर्ट्स इस बात की पूरी चुगली करती है।

लिहाजा, यह एक गम्भीर प्रशासनिक विडंबना है, संवैधानिक त्रासदी है और समाज में बढ़ते अपराधिक और राजनीतिक मनमानी की सबसे बड़ी वजह भी है। ऐसा इसलिए कि राजनेताओं के खिलाफ यथोचित कानूनों की कमी है। कई मामलों में उन्हें अनैतिक संरक्षण भी विशेषाधिकार के तौर पर हासिल है। ऐसे सभी मामलों में सत्ता पक्ष–विपक्ष चोर चोर मौसेरे भाई की तरह काम करते हैं।

इसलिए भ्रष्ट और दोषी नेताओं के खिलाफ उतनी मुकम्मल कार्रवाई नहीं हो पाती है, जितनी कि आम जनता के खिलाफ तुरंत हो जाती है। क्या अमृतकाल में यह प्रवृत्ति बदलेगी या फिर लोकतांत्रिक हलाहल भी जनता को ही पीने के लिए अभिशप्त रहना होगा, यक्ष प्रश्न है। खासकर लगातार तीन बार केंद्र में सत्तारूढ़ हुई एनडीए के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को इससे बचना चाहिए। क्योंकि राजनीतिक सुधार के लिए उससे जनता को बहुत उम्मीदें है।

भीतरी और बाहरी दुश्मनों से खतरा

—बलबीर पुंज—

अनादिकाल से भारत एक महान आध्यात्मिक शक्ति रहा है। 250 वर्ष पहले तक हम विश्व की सबसे मजबूत आर्थिक शक्ति थे। लगातार संघर्ष के बाद भी हम लगभग 600 वर्षों इस्लाम, तो 200 साल अंग्रेजों के अधीन रहे। यह तब हुआ, जब हम शौर्य और किसी भी साधन में कम नहीं थे। शताब्दियों तक चली इस परतंत्रता का एक बड़ा कारण वह वर्ग रहा, जो अपने निहित स्वार्थ के लिए किसी न किसी शत्रु से जा मिला और हम कमजोर होते गए। क्या इस दुखद इतिहास में हमने कुछ सीखा? शायद नहीं। हाल ही में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर भारत में 182 करोड़ के भारी–भरकम अमरीकी वित्तपोषण का खुलासा करते हुए इसे बंद कर दिया। यह पर्दाफाश इस बात को रेखांकित करता है कि बढ़ते भारत पर लगाम लगाने के लिए विदेशी शक्तियां किस तरह बेसब्र हैं।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने भारत में चुनाव प्रभावित करने के लिए 21 मिलियन डालर खर्च किए। ट्रंप ने सवाल उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप का यह बयान उस समय आया, जब अमरीकी 'सरकारी दक्षता विभाग' ने 16 फरवरी को अपनी एक रिपोर्ट में 'यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डिवैल्पमैंट' (यू.एस.–एड) द्वारा भारत में मतदान प्रतिशत हेतु अमरीकी वित्तपोषण का भंडाफोड़ किया था। इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि बंगलादेश में राजनीतिक हालात मजबूत करने के नाम पर भी 29 मिलियन डालर (251 करोड़ रुपए) खर्च किए गए थे। बंगलादेश में पिछले साल एक नाटकीय घटनाक्रम में शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना और अपनी जान बचाने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था। तब से वहां अल्पसंख्यक, विशेषकर बंगलादेशी हिंदुओं को चिन्हित करके प्रत्यक्ष–परोक्ष प्रशासनिक समर्थन से उनका मजहबी दमन किया जा रहा है। ऐसे में ट्रंप के खुलासे से मामले की गंभीरता से कहीं अधिक बढ़ जाती है।

दरअसल, यह बाहरी दखल उस तानाशाही और विस्तारवादी सोच की नुमाइंदगी करता है, जिसका काम अपने स्वार्थ और एजेंडे के लिए इतिहास, भूगोल और संस्कृति को बदलना है। वह जमाना लद चुका, जब सेना भेजकर किसी देश पर कब्जा करके वहां के स्थानीय समाज–संस्कृति को मिटा दिया जाता था। वह मानसिकता आज भी जिंदा है, लेकिन उसका तरीका बदल गया है। अब इनके हथियार राजनीतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, मजहब और आर्थिकी से जुड़े झूठे नैरेटिव हैं। वे चिन्हित देशों में ऐसे बिकाऊ लोगों की फौज खड़ी करते हैं, जो कई मुखौटे (एन.जी.ओ. सहित) पहनकर उनके एक इशारे पर अपने ही देश के खिलाफ काम करने लगते हैं। इनमें से कई वैचारिक, राजनीतिक और मजहबी कारणों से, तो कुछ सिर्फ चंद पैसों के लिए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो जाते है। इसी कुनबे में कुछ राजनीतिज्ञों के साथ मीडिया का एक वर्ग और कई स्वयंसेवी संगठन (एन.जी.ओ.) भी शामिल हैं। वे न केवल विदेशियों से सत्ता पाने के लिए सहयोग लेते हैं, बल्कि विदेश जाकर खुलेआम 'लोकतंत्र बचाने' के नाम पर मदद भी मांगते हैं।

यह दिलचस्प है कि स्वयं अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप सार्वजनिक रूप से चार बार से अधिक भारतीय चुनाव में अमरीकी दखलअंदाजी की बात स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन भारत में एक वर्ग इसे झुठलाने में लगा है। कहीं यह अपनी असलियत सामने आने की बौखलाहट तो नहीं? यह कोई पहली बार नहीं है। विशेषकर 2014 के बाद जब भी किसी देशविरोधी कृत्यों में शामिल होने के आरोप में किसी एन.जी.ओ. या व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होती है, तो उसे 'वाम–जिहादी–सैकुलर' कुनबा 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' और 'लोकतंत्र पर कुठाराघात' बता देता है। सच तो यह है कि आजादी के बाद कई राजनीतिक दलों ने अलग–अलग समय, देश में विदेशी शक्तियों से उपजे खतरे का संज्ञान लिया है। चाहे वर्ष 1984 में सी.पी.एम. नेता प्रकाश करात हों, या 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह या फिर 2022 में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयनकृ इन सभी ने अलग–अलग शब्दों में विदेशी ताकतों (एन.जी.ओ. सहित) के जहरीले मंसूबों को रेखांकित किया है।

एक आंकड़े के अनुसार, वित्तवर्ष 2017–18 और 2021–22 के बीच एन.जी.ओ. को लगभग 89 हजार करोड़ रुपए का विदेशी चंदा प्राप्त हुआ था। वर्ष 2012 से 2024 तक गृह मंत्रालय कुल 20,721 एन.जी.ओ. का विदेशी अंशदान पंजीकरण (एफ.सी.आर.ए.) रद्द कर चुकी है। आखिर विदेशों से एन.जी.ओ. को मिल रहे बेहिसाब पैसे का असल मकसद क्या है? क्या यह सच नहीं कि पर्यावरण या मानवाधिकार आदि का मुखौटा लगाकर कुछ संगठन और व्यक्ति–विशेष विदेशी शक्तियों के एजेंडे मे भारत की स्वतंत्रता को कमजोर करना, उसकी एकता–अखंडता को तोडना और उसकी आध्थक तरक्की को रोकना चाहते हैं? पिछले साल अमरीकी तकनीकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में आगाह किया था कि चीन भारत में चुनावों को 'आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस' (ए.आई) से प्रभावित करने की कोशिश कर सकता है। इसी पृष्ठभूमि में बीते दिनों ही चीन ने अपना स्वदेशी ए.आई. उपक्रम 'डीप–सीक' विकसित किया है, जो तकनीकी इंकलाब कम, विस्तारवादी चीन का भोंपू ज्यादा है। उपरोक्त घटनाक्रम से हमें समझना होगा आधुनिक युद्ध अब सिर्फ सरहदों पर ही नहीं लड़े जाते। हमें बाहरी शत्रुओं के साथ अंदरुनी दुश्मनों से भी सावधान रहना होगा। एक बहुत बड़ी मानवीय–भौगोलिक कीमत चुकाकर जब हम सदियों की गुलामी से आजाद हुए, तो 40 साल की वामपंथ प्रेरित समाजवादी बेडियों ने हमारी कमर तोड़ दी।

टायर फटने से पलटी बोलेरो, परीक्षा देने जा रहीं तीन छात्राओं की मौत, 11 घायल

संवाददाता—महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के धानी में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। फरेंदा—धानी मार्ग पर सिकंदराजीतपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास छात्राओं से भरी एक बोलेरो टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुरन्दरपुर थाना क्षेत्र के समरधीरा स्थित पारस नाथ इंटर कॉलेज की हाई स्कूल की छात्राएं बोलेरो बुक करके महेश राम अशोक कुमार इंटरमीडिएट कॉलेज धानी में परीक्षा देने जा रही थीं। बोलेरो जैसे ही सिंकदराजीतपुर पेट्रोल पंप के पास पहुंची तो बोलेरो का टायर अचानक फट गया। बोलेरो अनियंत्रित होकर पलट गई।

घटना के बाद चीख—पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण दौड़कर मदद को पहुंचे और घायल छात्राओं को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान हादसे में पुरंदरपुर थाना क्षेत्र की करमहा बुजुर्ग निवासी चांदनी पटेल, बरगदवा विशुनपुर निवासी प्रीति व गायत्री की मौके पर ही मौत गई। जबकि नंदनी पुत्री विभूती, चांदनी पुत्री अभिमन्यु, प्रियंका पुत्री सुबाष, रिमझिम पुत्री विनोद, मनीषा पुत्री राजू, सोनी पुत्री सागर, चालक रियाज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुरंदरपुर थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश ने बताया कि मृतकों के स्वजन को सूचना दे दी गई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामूली रूप से घायल चार छात्राओं को प्राथमिक उपचार के बाद परीक्षा केंद्र पर भेज दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज से बच्चे का अपहरण करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता—गोण्डा। जिले की नगर कोतवाली पुलिस ने गोंडा मेडिकल कॉलेज से 3 वर्षीय मासूम अभिनव का अपहरण करने वाले आरोपी अमर वर्मा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करके नगर कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी अमर वर्मा का गोंडा मेडिकल कॉलेज में मेडिकल कराया गया। नगर कोतवाली पुलिस द्वारा न्यायालय में आरोपी अमर वर्मा को पेश किया गया। यहां से न्यायालय द्वारा आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बीते 27 फरवरी को गोंडा मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती अपने रिश्तेदार को देखने आई वजीरगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली राधिका के 3 वर्षीय बच्चे अभिनव का आरोपी अमर वर्मा ने अपहरण कर लिया था। पीड़ित महिला द्वारा थाना कोतवाली नगर में लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया था। कि वह अपने 3 वर्षीय बच्चे के साथ दवा कराने जिला अस्पताल गोण्डा आयी हुई थी। जहां से कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके बच्चे को चुरा लिया गया है। पुलिस अधीक्षक गोंडा विनीत जायसवाल द्वारा प्रकरण को संज्ञान में लेकर बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया था। जहां 28 फरवरी को ही पुलिस टीमों द्वारा किए गए अथक मेहनत एवं प्रयासों उपरांत गायब बच्चे को 24 घण्टे के अन्दर केशवपुर पहाड़वा से सकुशल बरामद किया गया था। आज 4 मार्च को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अपहरण करने के आरोपी अभियुक्त अमर वर्मा को रोडवेज बस स्टैण्ड से गिरफ्तार कर लिया गया।

ई—आफिस के लिए एसपी ने बांटे टैबलेट

संवाददाता—श्रावस्ती। शासकीय कार्य पद्धति को पेपर लेस आफिस में परिवर्तित करने की योजना है। जिसके तहत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की ओर से पुलिस कार्यालय में सभी शाखाओं में पत्रावलियों का व्यवहरण व पत्राचार ई—आफिस के माध्यम से किये जाने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों को टैबलेट दिया। एसपी ने कहा कि यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग होने के नाते ई—ऑफिस सरकारी कार्यालयों में एक सरलीकृत, उत्तरदायी, प्रभावी, जवाबदेह और पारदर्शी कार्यप्रणाली का माध्यम है। ई—ऑफिस की गति और दक्षता न केवल विभागों को सूचित और त्वरित निर्णय लेने में सहायता करती है बल्कि उन्हें पेपरलेस भी बनाती है। इस मौके पर एएसपी प्रवीण कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

ओवर लोडिंग मामले में दोषी पर जुर्माना

संवाददाता—श्रावस्ती। न्यायालय ने ओवर लोडिंग मामले के दोषी को अर्थदंड से दंडित किया। कोतवाली भिनगा क्षेत्र के टंड़वा निवासी राजेन्द्र पुत्र राम भरोसे को 2003 में पुलिस ने ट्रक में ओवर लोड बालू ले जाते पकड़ा था। जिसके विरुद्ध कोतवाली भिनगा में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने आरोपित को दोषी करार देते हुए जेल में बितायी गयी अवधि के कारावास की सजा सुनाई।

हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीण एकजुट

संवाददाता—गोण्डा। देहात कोतवाली के महादेवा पिपरी गांव निवासी पवन तिवारी (22) की हत्या सुनियोजित तरीके से की गई थी। मंगलवार को परिजनों समेत ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। शव को आरोपियों की गिरफ्तारी न होने तक अंतिम संस्कार कराने से इंकार दिया। इसके बाद पुलिस के हाथ—पांव फूलने लगे। करीब 18 घंटे मान—मनौव्वल के बाद किसी तरह से अंतिम संस्कार कराया गया। सोमवार देर रात परिजनों व ग्रामीणों ने सोनीगुमटी के पास शव रखकर गोंडा—उतरौला मार्ग को जाम कर दिया। इस दौरान सीओ आनंद कुमार राय व देहात कोतवाल ने तीन घंटे में आरोपियों की गिरफ्तारी के दावे किए। साथ ही किसी तरह से जाम खुलवाया जा सका। इसके बाद परिजन शव लेकर पिपरी सागर गांव पहुंचे। मगर तीन घंटे की मियाद पूरी होने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके बाद शव रखकर अंतिम संस्कार से इंकार कर दिया। गांव में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए फोर्स तैनात कर दी गई थी। मंगलवार सुबह पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार कराने के लिए परिजनों का मान—मनौव्वल शुरू किया। मगर घंटों तक परिजनों के सवालों के जवाब नहीं दे सके। आरोप लगाया कि हत्या के आरोपियों ने पूरे वारदात की लाइव वीडियो बनाया। इसके बाद सोशल मीडियो प्लेटफार्म पर वायरल कर दिया। साथ ही परिवार के एक युवक की 24 घंटे में हत्या की धमकी दी है। ऐसे में आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या की धारा बढाई गई है। साथ ही पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। जल्द ही दबोच कर ऐसी कार्रवाई की जाएगी, जो नजीर बनेंगी।

गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष ने किया मधवलिया गोसदन का निरीक्षण

संवाददाता—महराजगंज। उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष यशवंत सिंह उर्फ अतुल ने मंगलवार को मधवलिया गोसदन का निरीक्षण किया। उनके पहुंचने पर बीडीओ शमां सिंह और अन्य अधिकारियों ने उन्हें बुके और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। सबसे पहले गोसदन में उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गौ माता का पूजन किया। इसके बाद गायों के चारा, भूसा, पानी और इलाज की व्यवस्था आदि की जायजा लिया। उन्होंने गोसदन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को गायों की सेवा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित व्यक्ति को दंडित किया जाएगा। उन्होंने गोसदन परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपित भी किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय किसानों के साथ संगोष्ठी कर जैविक खेती के लिए जागरूक करने का भी निर्देश दिया। कहा कि जैविक खेती से किसानों को अच्छी आय हो सकती है। इसे बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है। इसमें सरकार की तरफ से किसानों को योगदान भी दिया जा रहा है।

इस मौके पर सीवीओ हौशला प्रसाद, नायब तहसीलदार अभिषेक मिश्रा, एडीओ पंचायत विनय कुमार पांडेय, आशीष कुमार सिंह एडीओ आईएसबी, सचिव आशुतोष द्विवेदी, अब्दुल्लाह, वेंकटेश्वर पटेल, रजनीश कुमार, ग्राम प्रधान हफीजुल्लाह, सुदामा प्रसाद, गोसदन सुपरवाइजर रामू यादव, अनिल यादव, रोजगार सेवक घनश्याम आदि मौजूद रहे।

छह महीने से लंबित मिली 17 विवेचनाएं

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस आफिस सभागार में एसपी ने अर्दली रूम का आयोजन किया। जिसमें लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान 17 अभियोगों की विवेचनाएं छह महीने से लंबित मिली। इस पर एसपी ने सभी विवेचनाओं को समय से निस्तारित करने का निर्देश दिया। साथ ही विवेचना में लापरवाही न करने की हिदायद भी दी। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की ओर से मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में समस्त थानों के विवेचकों का अर्दली रूम किया गया। इस दौरान 17 अभियोगों की विवेचनाएं छह माह से अधिक समय से लंबित पायी गयी। एसपी ने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा कर विवेचनाओं को समय से निस्तारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने समयबद्ध व प्रभावी विवेचना करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी विवेचक विवेचना में समय का विशेष ध्यान रखें। विवेचना में किसी प्रकार की लापरवाही बिलकुल नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विवेचनाएं समय से पूरा करें। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी भिनगा संतोष कुमार, क्षेत्राधिकारी इकौना सतीश कुमार शर्मा, पेशकार पुलिस अधीक्षक महिमानाथ उपाध्याय सहित अन्य विवेचक मौजूद रहे।

छात्रों में सेवा भावना जीवन का मूल उद्देश्य होना चाहिए

संवाददाता—बहराइच। राष्ट्र हित में समर्पण की भावना और समाज हित में सेवा की भावना विधार्थियों में होना चाहिए,जब यह भावना रहेगी,तब देश और समाज का विकास होगा। और विकास के पथ पर देश अग्रसित रहेगा। यह बातें राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर के समापन पर प्रबंधक डॉ. विश्वनाथ श्रीवास्तव ने कही है। रिसिया क्षेत्र के बंगला चक के जहान चक स्थित प्राथमिक विद्यालय में गायत्री विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की ओर से सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर आयोजित किया गया था। मुख्य अतिथि डा.सोहन लाल श्रीवास्तव रहे। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। स्वागत गीत का समूह नृत्य बबिता,अलका,काजल ममता और गूंजा ने प्रस्तुत कर सबका मन मोहा। सड़क सुरक्षा पर अपना पाठ, स्वागत गीत,लघु नाटक भी प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिविर से जो कुछ सीखा,उसे अपने जीवन में छात्र और छात्राएं उतारें।

तीन साल में करोड़ पति बन गया स्कूल वैन चालक, धर्म परिवर्तन कराने वाली मिशनरी के संपर्क में आकर हुआ कायापलट

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के इकौना के एक स्कूल में वैन चलाने वाला हरि सिंह तीन साल में करोड़पति बन गया। कभी प्रधानमंत्री आवास लेने वाला यह वैन चालक आज प्रार्थना सभा के लिए लाखों रुपये का हॉल बनवा रहा है। इतना पैसा इसके पास कहां से आया पुलिस इसकी जांच कर रही है।

इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम भगवानपुर बनकट के मजरा लोनपुरवा निवासी हरि सिंह कुछ वर्ष पूर्व तक इकौना के एक स्कूल में वैन चलाता था। इसके बाद वह पंजाब चला गया जहां मिशनरियों के संपर्क में आने के बाद उसकी कायापलट हो गई। कभी मुफलिसी के कारण फूस के मकान में रहने वाले हरि सिंह को प्रधानमंत्री आवास दिया गया था। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व पंजाब से लौटने के बाद उसने अपना जाल फैलाया। पहले छोटे से मड़हे व बाद में फूस के बड़े अहाते में गरीब, मजबूर व बीमार लोगों को आर्थिक स्थिति सुधारने, निरोगी होने व समस्या मुक्त होने के लिए बाइबिल का उपदेश देने लगा।

प्रार्थना सभा में बुलाकर उन्हें ईसाई धर्म ग्रंथ पढ़ने के लिए प्रेरित करने लगा। देखते ही देखते सिर्फ आसपास गांव ही नहीं पड़ोसी जिलों के लोग भी प्रत्येक रविवार को उसके द्वारा कराई जा रही प्रार्थना सभा में शामिल होने लगे। इस बीच इसकी आर्थिक स्थिति में भी गुणात्मक सुधार हुआ।

फूस से आलीशान मकान में रहने वाले हरि सिंह ने न सिर्फ मुर्गी फार्म खोला बल्कि प्रार्थना सभा के लिए विशाल हाल का निर्माण करा रहा है। अमर उजाला की ओर से मिशनरियों का मिशन मुस्लिम अभियान के बाद जब इसकी पोल खुली तो पुलिस इसके आय के स्रोत व बैंक खातों को खंगालने में जुट गई है, फिलहाल हरि सिंह घर छोड़ नदारद है।

राजस्व निरीक्षक के पुत्र ने लगाई फांसी, कमरे में फंदे लटकता मिला शव

संवाददाता—बहराइच। नानपारा तहसील में राजस्व निरीक्षक पद पर तैनात रामपाल चौधरी का पुत्र बहराइच स्थित किसान आश्रम में रह कर पढ़ाई करता था। उसने सोमवार रात को अपने कमरे में फांसी लगा लिया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के पहले उसने किसी से फोन पर बात की थी। सुजौली थाना क्षेत्र के बर्दिया गांव निवासी अमन (25) पुत्र रामपाल चौधरी शहर के कोतवाली देहात क्षेत्र के किसान आश्रम में किराए पर कमरा लेकर पढ़ाई करता था। वह शिक्षक बनने के लिए कोचिंग भी करता था। सोमवार रात करीब 10 बजे अमन किसी से फोन पर बात कर रहा था। इसके बाद कमरे में गया और फंदे से लटक गया। अमन का फोन रिसीव न होने पर उसके साथी छात्र कमरे पर गए। सभी ने दरवाजा खोला तो वह फंदे से लटकता मिला। जिसके बाद साथियों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

सिसवा चीनी मिल में स्टीम पाइप फटा, इंजीनियर सहित 2 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल

संवाददाता—महराजगंज। सिसवा आईपीएल शुगर मिल के मिल हाउस में मंगलवार की भोर में स्टीम पाइप फटने से मिल के इंजीनियर सहित दो कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

मंगलवार की भोर में तकरीबन तीन बजे फैक्ट्री के मिल हाउस में चीफ इंजीनियर व इंजीनियर सहित कुछ कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर तैनात होकर मिल के संयंत्रों की जांच कर रहे थे। बताया जाता है कि इसी दौरान अचानक बगल में लगा स्टीम पाइप जोरदार धमाके के साथ फट गया। पहले तो कर्मचारी कुछ समझ नहीं पाए।

बाद में देखा तो स्टीम पाइप की चपेट में आने से मिल के 55 वर्षीय विजयंत अग्रवाल व 50 वर्षीय महिपाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। मिल के कर्मचारियों ने घायलावस्था में दोनों को सिसवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। दोनों का प्राथमिक इलाज कर डॉक्टर ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में दोनों का इलाज चल रहा है।

आईपीएल शुगर मिल सिसवा के यूनिट हेड संदीप पंवार ने कहा कि भोर में मिल हाउस का स्टीम पाइप फटने से दो कर्मचारी घायल हुए हैं। दोनों की हालत में सुधार है। स्टीम पाइप को भी दुरुस्त करा दिया गया है।

गाजे-बाजे के साथ निकली श्री जानकी जीवन सरकार की शोभायात्रा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। अयोध्या के सिद्ध एवं प्राचीनतम पीठों में शुमार दर्शन भवन मंदिर से श्री जानकी जीवन सरकार के 17 वें प्रकाशोत्सव पर पीठाधीश्वर महंत डॉक्टर ममता शास्त्री के संयोजन में गाजे—बजे और हाथी घोड़े के साथ निकली भव्य शोभायात्रा। अयोध्या के प्रमुख मार्गों श्री राम पथ से होते हुए शोभायात्रा मां सरयू के पावन तट पर पहुंची जहां मोक्षदायिनी मां सरयू की आरती उतारी गई और 500 मी चुनरी चढ़ाई गई विधिवत पूजन अर्चन के बाद शोभा यात्रा पुनः दर्शन भवन आश्रम पहुंची जहां नियमित रूप से विविध कार्यक्रम प्रारंभ हुए। शोभा यात्रा की अनुपम छटा देख कर के लोग मार्गों पर पुष्प वर्षा कर रहे थे गाजे—बाजे के साथ कलाकार डमरु का ऐसा अनुपम वादन कर रहे थे कि देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए वही मोर पंख में कलाकारों का नृत्य देखकर अयोध्या के साथ—साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालु भी मुदित और भावविभोर हो गए। शाम के सत्र में श्री जानकी जीवन सरकार फूल बंगले में विराजे फूलों की होली खेली गई शास्त्रीय संगीत की ऐसी अनुपम छटा बनी जिसको सुनकर लोग मंत्र मुक्त हो गए। 5 मार्च बुधवार को प्रातः श्री नर्मदेश्वर भगवान शंकर के रुद्राभिषेक से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। प्रातः 10 श्री विश्वनाथ गौ सेवा दर्शन मंदिर में गौ माता का विशेष पूजन अर्चन किया जाएगा आरती उतारी जाएगी और दिन में 11बजें ठाकुर श्री जानकी जीवन सरकार के दरबार में छप्पन भोग निवेदित की किया जाएगा जेवनार होगा और अयोध्या के संतों का वृहद भंडारा होगा।डॉक्टर ममता शास्त्री ने बताया कि यह कार्यक्रम अनंत श्री विभूषित ब्रह्मलीन ब्रह्मचारी महंत विश्वनाथ दास शास्त्री गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से किया जाता है जिसका समापन नर्मदेश्वर भगवान के पूजन और जेवनार गायन से संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि 500 मीटर की चुनरी जयपुर में ऑर्डर देकर बनवाई गई है। जिसमें अयोध्या के सभी साधु संत महंत गृहस्थ नेमी प्रेमी श्री जानकी जीवन सरकार के प्रसाद को पाएंगे।कार्यक्रम में शुकदेव दास ,विजय कुमार ,अशोक कुमार मिश्र एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट , राघवजी , अनन्या , वैदेही बाबू शाश्वत बाबू के साथ दर्शन भवन से जुड़े देश के विभिन्न कोने से श्रद्धालु भक्त पधार कर उत्सव में भागीदार बन रहे है।

प्रयागराज से गोंडा पहुंचा 4500 लीटर गंगाजल, पुलिस लाइन में बांटा जाएगा

संवाददाता—गोण्डा। प्रयागराज से गोंडा में एक फायर टेंडर में 4500 लीटर गंगाजल पहुंच गया है। 5 मार्च को सुबह पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में इसका वितरण किया जाएगा। यह वितरण पुलिस फोर्स की मौजूदगी में होगा। सीएफओ रामसुमेर मिश्रा ने बताया कि वितरण व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा। लोगों को अपने बर्तन साथ लाने होंगे। प्रत्येक व्यक्ति को एक लीटर गंगाजल दिया जाएगा। इस तरह करीब साढ़े चार हजार लोगों को गंगाजल मिल सकेगा। यह पहल उन लोगों के लिए है, जो किसी कारण से प्रयागराज महाकुंभ में शाही स्नान के लिए नहीं जा पाए। इससे वे अपने घर में ही पवित्र गंगाजल से स्नान कर पाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए ट्रैफिक इंस्पेक्टर और कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात रहेगी। फायर टेंडर के ड्राइवर रमेश यादव ने बताया कि उन्हें प्रयागराज में ड्यूटी पर तैनात किया गया था। शासन के निर्देश पर वे गंगाजल भरकर गोंडा आए हैं। गंगाजल भरने में करीब 45 मिनट का समय लगा। पवित्र गंगाजल के वितरण को लेकर की गोंडा अग्निशमन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अतिरिक्त गंगाजल बचाने पर लोगों को अतिरिक्त गंगाजल देने की भी तैयारी की जा रही है ताकि लोग अच्छे से महाकुंभ के जल से स्नान कर सकें।

दिव्यांग जनों को प्रदान की जाएगी श्रवण यंत्र एवं मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। सामाजिक क्षेत्र में दशकों से सक्रिय रहने वाली संस्था मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज अयोध्या में दिनांक 7 मार्च को प्रातः 10 बजे एक कैंप लगने जा रहा है इसमें जो बच्चे सुन नहीं सकते हैं अथवा दोनों पैरों से चलने फिरने में असमर्थ है उन्हें श्रवण यंत्र एवं मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की जाएगी। अर्थात जिन भी दिव्यांग बच्चों एवं युवाओं को जरूरत है वह 6 मार्च तक दिव्यांग प्रमाण पत्र ,आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र तथा दो फोटो विद्यालय में आकर जमा कर दें। विद्यालय विद्याकुंड से आगे बढ़ने पर कनीगंज के पार्षद के मकान के ठीक सामने हैं। अधिक जानकारी के लिए 9598320069या 9336865708 पर फोन करें।डॉ रानी अवस्थी का कहना है यदि दिव्यांग युवाओं को अभी तक नौकरी नहीं मिली है तो उसके लिए साथ में अपना बायोडाटा भी जमा करें। नौकरी से पूर्व ऑनलाइन प्रशिक्षण संस्था में ही दिया जाएगा तथा 15 दिन के प्रशिक्षण के बाद नौकरी भी दी जाएगी।जिन श्रवणयंत्र चाहिये उन्हें 7 मार्च को सारे कागजो के साथ प्रातः 10:00 बजे संस्था में उपस्थित होना है।

छात्रों से छेड़छाड़ मामले में डांस टीचर गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। एक निजी विद्यालय में छात्रों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। स्कूल प्रशासन ने 3 मार्च 2025 को कोतवाली पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि स्कूल का डांस टीचर कुछ बच्चों के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी डांस टीचर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में विभिन्न धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीओ सदर की निगरानी में मामले की जांच चल रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लिया जाएगा।

राज्यपाल के महराजगंज दौरे की तैयारी, डीएम ने की बैठक

संवाददाता—महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के 18 मार्च को प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। डीएम ने अधिकारियों को मुसहर और वनटांगिया गांवों में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने आयुष्मान योजना और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों की सूची बनाने को कहा। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी को राज्यपाल द्वारा वितरण के लिए पोषण पोटली तैयार करने का निर्देश दिया। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी, सहायक पर्यटक अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यक्रम की तैयारियां पूरी करने को कहा गया। मुख्य विकास अधिकारी को सभी तैयारियों के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, वन विभाग के अधिकारी निरंजन सुर्वे, अपर जिलाधिकारी डॉ पंकज कुमार वर्मा और एसडीएम सदर रमेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

त्योहार से पहले रसोइयों को मिलेगा मानदेय

संवाददाता—गोण्डा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बेसिक शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में खंड शिक्षा अधिकारी और एआरपी भी मौजूद रहे। डीएम ने विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कई अहम निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मिड—डे मील की रसोइयों को होली से पहले मानदेय दिया जाए। इसके लिए खंडशिक्षा अधिकारियों को दो दिन के भीतर उपस्थिति भेजने को कहा गया है। बैठक में अतिरिक्त कक्ष निर्माण, मिड—डे मील, स्कूलों में बिजली व्यवस्था और बीआरसी मरम्मत की समीक्षा की गई। ऑपरेशन कायाकल्प के 19 मानकों पर भी चर्चा हुई।

लक्ष्य पूरा करने का निर्देश जिला और ब्लॉक टास्क फोर्स को निरीक्षण लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए। निपुण भारत मिशन के तहत अधिकारियों का प्रदर्शन आंका जाएगा। डीएम ने स्पष्ट किया कि निर्माणाधीन स्कूलों का काम समय पर पूरा होना चाहिए। गुणवत्ता की जांच के बाद ही इन्हें हैंडओवर लिया जाए। सरकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ बच्चों के आधार आईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, डीआरडीए परियोजना निदेशक चंद्रशेखर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अगले 10 साल का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करें राज्य के सभी विश्वविद्यालय –आनंदी बेन पटेल

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालय आगामी 10 साल का विजन डॉक्यूमेंट बनाएं। इसके तहत शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ मिल बैठकर कुछ नया प्लान करें और उसी के अनुसार काम करें। राज्यपाल मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की स्थापना के 50 साल पूरे होने पर विवेकानंद प्रेक्षागृह में स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमें भगवान श्रीराम से सीखना होगा और उनके पदचिन्हों पर चलना होगा। श्रीराम के चरित्र पर सभी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के बीच डिबेट होनी चाहिए ताकि वह कुछ सीखें और श्री राम के चरित्र को अपने जीवन में उतारें। इससे जिंदगी को बदला जा सकता है।

उन्होंने कहा कि श्री अन्न यानी मिलेट के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए झांसी विश्वविद्यालय से सीखना होगा। वहां पर श्री अन्न को बेचकर आर्थिक तरक्की की जा रही है। सभी विश्वविद्यालय को आने वाले समय में आत्मनिर्भर बनना ही होगा क्योंकि बहुत समय तक ग्रांट के भरोसे नहीं रहा जा सकता है। अपने खुद के आय के स्रोत पैदा करने होंगे। श्री अन्य के माध्यम से बीमारी और कुपोषण से भी मुक्ति मिलेगी। इसकी पूरे विश्व में इस समय मांग हो रही है। हम दे रहे हैं लेकिन खुद इसे नहीं खा रहे हैं। बेटियों के स्वास्थ्य की भी चिंता करनी होगी। खेल के माध्यम से युवाओं को नई दिशा दिखानी होगी, जो खेलेगा वह खिलेगा, इस ध्येय वाक्य को याद रखना होगा।

प्रॉपर्टी डीलर पर अवैध कब्जा करने का आरोप

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा में एक व्यक्ति ने प्रॉपर्टी डीलरों पर जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़ित सुभाष चंद्र ने डीएम महेंद्र सिंह तंवर को पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

मामला अराजी नंबर 22 की जमीन का है। जिसमें सुभाष चंद्र की 0.259 हेक्टेयर भूमि है। इस जमीन पर सिविल जज की अदालत में वाद संख्या 32/17 में आदेश पारित है। लेकिन इसके बावजूद विपक्षी शशिबाला, अनिल उर्फ राजू, सुनील उर्फ सोनू और करीब 10 अन्य लोग जबरन कब्जा कर रहे हैं।

पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने एसडीएम धनघटा को भी इसकी शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने एक बीघा जमीन का बैनामा कराया था। इसमें से चार विश्वा जमीन रजिस्ट्री कार्यालय को दान दी थी।

आरोपी प्रॉपर्टी डीलर अपनी दबंगई के बल पर बची हुई जमीन पर कब्जा कर निर्माण कार्य कर रहे हैं। पीड़ित लगातार तहसील कार्यालय का चक्कर लगा रहा है। लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। पीड़ित ने बताया कि विरोध करने पर प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा गाली गुप्ता देते हुए जानवर की धमकी दी जा रही है।

अयोध्या सनातन और सिख धर्म का संगम स्थल –हरदीप सिंह पुरी

संवाददाता–अयोध्या। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन किए और ऐतिहासिक गुरुद्वारे में मत्था टेका। उन्होंने पवित्र शहर को सनातन धर्म और सिख धर्म का श्संगम स्थलश बताया। पेट्रोलियम मंत्री ने अयोध्या की अपनी यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। इसमें उन्होंने राम की नगरी के महत्व के बारे में विस्तार से बताया है।

उन्होंने एक्स पर किए गए पोस्ट में कहा कि अयोध्याधाम, सनातन धर्म और सिख धर्म की पवित्र संगम भूमि है और इसे प्रभु श्रीराम और तीन सिख गुरु साहिबों का आशीर्वाद प्राप्त है। उनके मुताबिक, सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी महाराज 1510–11 में, नौवें गुरु गुरु तेग बहादुर जी 1668 में और गुरु गोबिंद सिंह जी 1672 में अयोध्या आए थे।

उन्होंने कहा कि मुझे अयोध्याधाम के ब्रह्मकुंड में सरयू नदी के किनारे ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने और आशीर्वाद लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पुरी ने कहा कि पवित्र धाम में स्थित गुरुद्वारे आस्था के संगम, मध्यकालीन समय से सिख और हिंदू धर्म के बीच मजबूत संबंधों तथा आक्रमणकारियों से लड़ने के लिए दोनों धर्मों के एक–दूसरे के साथ खड़े रहने के परिचायक हैं।

पुरी ने कहा कि 1697 में जब औरंगजेब के नेतृत्व में आक्रमणकारी मुगल सेना ने अयोध्या में राम मंदिर पर हमला किया तो गुरु गोबिंद सिंह ने 400 निहंग सिखों की एक बटालियन को भीषण युद्ध में अघोरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के लिए भेजा था। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव की उदासी का इतना महत्व था और भव्य राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान यह दिखा भी जब एक न्यायाधीश ने कहा कि 1510–11 ई. में भगवान राम की जन्मस्थली के दर्शन के लिए गुरु नानक देवजी की यात्रा हिंदुओं की आस्था और विश्वास को पुष्ट करती है।

पुरी ने कहा कि 1697 में जब औरंगजेब के नेतृत्व में आक्रमणकारी मुगल सेना ने अयोध्या में राम मंदिर पर हमला किया तो गुरु गोबिंद सिंह ने 400 निहंग सिखों की एक बटालियन को भीषण युद्ध में अघोरियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के लिए भेजा था।

उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव की श्उदासीश का इतना महत्व था और भव्य राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के लिए लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान यह दिखा भी जब एक न्यायाधीश ने कहा कि 1510–11 ई. में भगवान राम की जन्मस्थली के दर्शन के लिए गुरु नानक देवजी की यात्रा हिंदुओं की आस्था और विश्वास को पुष्ट करती है। एक अन्य पोस्ट में पुरी ने कहा कि मुझे उस कुएं के पवित्र जल को महसूस करने का दिव्य सौभाग्य मिला, जहां से गुरु नानक देव जी के पवित्र स्नान के लिए पानी निकाला गया था। गुरु महाराज ने भी भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए इस पवित्र जल का छिड़काव किया था। उन्होंने कहा कि केंद्र में गुंबददार कमरा है, जो आकार में अष्टकोणीय और संगमरमर के फर्श वाला है... उसे सिंहासन स्थान गुरु गोबिंद सिंह जी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि इस जगह के मध्य में पवित्र अवशेष रखे गए हैं। ये पवित्र अवशेष श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वारा एक बार पहनी गई एक जोड़ी चप्पल, स्टील का एक तीर, एक खंजर, एक भाला और एक चक्र हैं। पुरी ने कहा कि पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब की 1838 बिक्रमी (1781 ई.) में रचित एक हस्तलिखित प्रति और अन्य पवित्र ग्रंथ भी यहां हैं।

प्रधान प्रतिनिधि पर सरकारी भूमि व धन दुरुपयोग का आरोप

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत रामपुर सकरवारी निवासी कृष्ण प्रताप सिंह ने डीएम को पत्र भेजकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पर सरकारी भूमि व सरकारी धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता ने पत्र में बताया कि साधन सहकारी समिति की भूमि पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि द्वारा कब्जा करने के लिए मकान का निर्माण कर लिया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत की भूमि पर निजी मकान का निर्माण पंचायत भवन के ईंटों से कराया है। प्रधान प्रतिनिधि ने कन्या पाठशाला के भवन में भी ताला लगाकर कब्जा किया है। यह भी आरोप लगाया कि प्रधान प्रतिनिधि ने पुराने पंचायत भवन को अपना बना लिया है, जबकि नये पंचायत भवन को भी चारागाह की भूमि पर बनाकर उसे हड़पने का मार्ग प्रशस्त कर लिया है। इसके अलावा कई अन्य सरकारी भूखंडों पर कब्जा करने का आरोप शिकायतकर्ता ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पर लगाते हुए डीएम से जांच कराने की मांग की है।

गेहूं की फसल को झुलसा रहीं पछुआ हवाएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में सात किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चल रही पछुआ हवाओं ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी। तीव्रता से चल रही पछुआ हवाएं फसलों को झुलसा देने के लिए आतुर हैं। अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है।

रबी की फसल में अब तक किसानों के अनुकूल कुछ भी नहीं रहा है। मार्च माह में अप्रैल जैसी हवाएं चल रही हैं। ऊपर से तेजी से बढ़ रहा तापमान कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। तापमान बढ़ने और हवाओं की वजह से खेत की नमी तेजी से सूख रही है। इसकी वजह से गेहूं की फसल में उपज कम होने के आसार बढ़ गए हैं। इस समय सरसों और गेहूं दोनों की फसल पकने की अवस्था में है। तापमान बढ़ने की वजह से खेत की नमी तेजी से सूख रही है। खेत की नमी गायब होने की वजह से गेहूं के दाने कमजोर ही रह जाएंगे और उपज 25 से 30 फीसदी कम रहने के आसार हैं।

जिला कृषि अधिकारी सर्वेश कुमार यादव ने बताया कि किसानों को चाहिए कि इस समय गेहूं की फसल की सिंचाई कतई न करें। दाना सेट हो जाने के बाद हल्की सिंचाई करें। सिंचाई भी उस समय करें जब हवाएं न चल रही हो। तीव्र गति से हवाएं चलने पर फसलों की गिरने की संभावना बढ़ जाती है इससे उपज और भी काम हो जाती है।

मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर अमरनाथ मित्र ने बताया कि आगामी दो से तीन दिनों के दौरान इसी प्रकार से हवाएं चलती रहेगी।

तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब रहेगा। बारिश होने के आसार नहीं है।

मोबाइल और जेवर चुराने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर में जलालपुर थाना पुलिस, स्वाट और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी धार्मिक स्थलों और मेला–बाजारों से मोबाइल और जेवर चोरी करता था।

पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के अनुसार, मुखबिर से मिली सूचना पर शाहपुर फिरोजपुर निवासी शंकर उर्फ शंकर लाल लोना को निशाने पर लिया गया। बीती रात जब वह सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी लेकर जलालपुर से अकबरपुर की ओर जा रहा था, पुलिस ने सेमरा मैनपुर मोड़ के पास से उसे दबोच लिया।

शुरुआत में आरोपी ने बोरी में रखे सामान के बारे में कुछ नहीं बताया। कड़ी पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि बोरी में विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन और सोने–चांदी के जेवरात हैं। उसने बताया कि वह धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों से चोरी करता था।

चोरी का माल वह राह चलते लोगों को सस्ते दामों में बेच देता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 25 लाख रुपये कीमत के 150 मोबाइल फोन और 5 लाख रुपये के जेवरात बरामद किए हैं।

बोलेरो की टक्कर से आटो पलटा, पांच घायल

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स क्षेत्र के सोनबरसा बाजार में फोरलेन पर मंगलवार की दोपहर करीब 3.30 बजे एक तेज रफ्तार बोलेरो ने ऑटो को पीछे से टक्कर मार दिया, जिससे ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार पांच लोग घायल हो गए। पिपराइच क्षेत्र के विजहरा निवासी ऑटो चालक गोविंद (32) पुत्र फूलचंद मंगलवार की दोपहर में कुशीनगर जिले के हाटा कोतवाली क्षेत्र के सुकरौली से गोरखपुर के शाहपुर क्षेत्र के राप्तीनगर निवासी रचना सिंह (40), रामगढ़ताल क्षेत्र के इंदिरा नगर सीताराम चौराहा निवासिनी रिन्की गुप्ता (30) और इनके पुत्र तनुज गुप्ता (13) व पुत्री खुशी गुप्ता (16) को ऑटो में बैठाकर गोरखपुर की तरफ जा रहा था। सोनबरसा बाजार में ऑटो को पीछे से एक तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी।

पुलिस ने दो वारंटी को किया गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। थाना खेसरहा पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पहला आरोपी दुर्गालाल पुत्र रूद्रनाथ है, जो कुड़जा सकारपार का रहने वाला है। उस पर एक्साइज एक्ट की धारा 60(1) का मामला दर्ज है। दूसरा आरोपी गौरी साहनी पुत्र गब्बू साहनी है, जो कलनाखोर का निवासी है। उस पर एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। थाना खेसरहा के थानाध्यक्ष चन्दन कुमार के नेतृत्व में उप–निरीक्षक अमित कुमार शाही और रामसहाय धर दूबे की टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। टीम में कॉन्स्टेबल अंकुर राय और अखिलेश कुमार भी शामिल थे। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ और क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में की गई।

राज्य की बदहाल शिक्षा व्यवस्था को योगी सरकार ने बदल डाला –रजनी तिवारी

संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि जब हम सरकार में आए, तब उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था बहुत ही बदहाल स्थिति में मिली थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और निर्देशन में इसे बदला गया। इसी का नतीजा है कि आज राज्य के कई विश्वविद्यालय नैक और यूजीसी की ग्रेडिंग में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री मंगलवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने पहुंची थी। एक बातचीत में उन्होंने कहा कि अवध विश्वविद्यालय की स्थापना के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर भव्य समारोह मनाया गया। किसी भी विश्वविद्यालय के लिए यह हर्ष का अवसर होता है, जब वह अपने 50 साल पूरे कर रहा होता है। यहां के बच्चे पढ़ाई करके निकलने के बाद उच्च स्थान पर पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए काम कर रही है। इसमें कई सफलताएं भी मिली हैं। उन्होंने महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा कि 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। यह सनातन का सबसे बड़ा मेला था।

नेकी करने से ज्यादा अहम गुनाहों से बचना है

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के मस्जिदों में, घरों में छोटे बड़े बुजुर्ग रोजेदार महिला पुरुष इबादतों में व्यस्त हैं। शांतिपूर्ण माहौल में भूखे प्यासे रहकर अल्लाह की याद में लीन रहते हैं। छोटे–छोटे बच्चे भी रोजा रखने के लिए जिद करते हैं। जिद कर रोजा भी रख रहे हैं। मस्जिदों में माहे रमजान की विशेषताओ से संबंधित हदीस और कुरान शरीफ की किताबें पढ़ी–सुनी जा रही हैं। रात में विशेष नमाज तरावीह में रोजेदार नमाजी एकाग्रचित होकर कुरान शरीफ इमाम साहब से नमाज में सुनते हैं। माहे रमजान में अल्लाह की असीमित रहमतें अवतरित होती हैं। ये महीना अल्लाह से प्रेम लगाव बढ़ाने वाला महीना है। इसकी कदर करनी चाहिए। ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी चाहिए। गुनाह पाप से बचना चाहिए। टीवी, इंटरनेट, फेसबुक और वॉट्सएप के प्रयोग से भी बचना चाहिए।

इस बरकत वाले महीने में पवित्र धर्मग्रंथ कुरान शरीफ की तिलावत, अल्लाह की याद, जिक्र, पांचों वक्त की नमाज की पाबंदी, अपने किए गुनाहों की माफी क्षमा याचना करें। नफिल नमाज, दरूद शरीफ पढ़ें, अल्लाह से दुआ मांगें। गरीब, अनाथ, विधवा, जरूरतमंद की दिल खोलकर मदद करनी चाहिए। इबादत का फायदा उसी वक्त होगा जब अपनी निगाह, दिल, जबान और हाथ पैर को गुनाहों से सुरक्षित रखा जाए। नेकी करने से ज्यादा अहम गुनाहों से बचना है।

एनडीपीएस एक्ट में दोषी को चार वर्ष का सश्रम कारावास, 40 हजार रुपए जुर्माना

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। एनडीपीएस एक्ट में दोषी को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट परविन्द कुमार ने चार वर्ष के सश्रम कारावास की सजा एवं 40 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। मामला सात वर्ष पूर्व बसखारी थाना क्षेत्र का है। बसखारी पुलिस एवं स्वाट टीम ने संयुक्त रूप से क्षेत्र भ्रमण के दौरान एक जुलाई 2017 को बुकिया मोड़ माइनर के पास से आजमगढ़ जिले के अहरौला थाना क्षेत्र के बिसईपुर निवासी सुनील कुमार निषाद पुत्र हरिश्चन्द्र को गिरफ्तार किया था जिसके कब्जे से तमंचा एवं दो किलो 25 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। सत्र परीक्षण के दौरान विशेष लोक अभियोजक अखिलेश शुक्ला ने वादी मुकदमा समेत सात गवाह परीक्षित कराते हुए कठोर दंड के लिए दलीलें दी जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने अपने मुवक्किल के समर्थन में तर्क दिए। गवाहों के बयान एवं अपराध की गम्भीरता के दृष्टिगत न्यायाधीश ने धारा 8/20 स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के अपराध में दोषी सुनील कुमार निषाद को चार वर्ष के सश्रम कारावास की सजा से दंडित किया। दोषी पर 40 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया। अर्थदंड न जमा करने पर छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

रिश्वत लेने वाला दरोगा निलंबित

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। एक दरोगा द्वारा रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कार्रवाई हुई है। पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने अलीगंज थाना में तैनात दरोगा अरुण कुमार सिंह को निलंबित कर दिया है। घटना पिछले साल अक्टूबर की है। सदरपुर मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक अरुण कुमार सिंह ने एक मारपीट के मुकदमे में धारा बढ़ाने के नाम पर 5 हजार रुपये की मांग की। सदरपुर निवासी किरन यादव ने दरोगा को साढ़े चार हजार रुपये दे दिए। रिश्वत लेते समय की यह घटना वीडियो में कैद हो गई। मुकदमे में न तो धारा बढ़ाई गई और न ही आरोपियों के नाम जोड़े गए। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

(प्रपत्र–4) (नियम 8 देखे)
भारतीय बस्ती दैनिक के सम्बन्ध में उद्घोषणा

1. प्रकाशन स्थल–	वि0 नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.)
2– प्रकाशन अवधि–	दैनिक (सांध्य)
3– मुद्रक का नाम–	प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
(क्या भारत का नागरिक है ?)	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	लागू नहीं
पता–	
मुद्रण स्थल–	दर्पण प्रिण्टिग प्रेस नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.)
4– प्रकाशक का नाम–	प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
(क्या भारत का नागरिक है ?)	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	लागू नहीं
पता–	वि0 नया हाल 1–4A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.)
5– सम्पादक का नाम–	1– संस्थापक सम्पादक स्व.दिनेश चन्द्र पाण्डेय 2– प्रबन्ध सम्पादक दिनेश सिंह 3– संयुक्त सम्पादक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
(क्या भारत का नागरिक है ?)	हां
(यदि विदेशी है तो मूल देश)	लागू नहीं
पता–	वि0 नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.)
6– उन व्यक्तियों के नाम और पते जो समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हों–	1. भारतीय बस्ती प्रकाशन वि0 नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) 2. प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

मैं प्रदीप चन्द्र पाण्डेय एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

प्रकाशक

3 मार्च 2025   **प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

इलाज कराने आए मरीज का पर्स चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के पतरा बाजार निवासी नंदकिशोर अपने ससुर और साले के साथ बीआरडी मेडिकल कॉलेज में दिखाने के लिए लाइन में लगकर पर्ची बनवा रहा था। उसी दौरान पाकेटमार ने पैंट की जेब में रखा पर्स चुरा लिया, जिसमें 2200 रुपये, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस चोरी हो गया। पीड़ित ने इसकी लिखित शिकायत मेडिकल चौकी पुलिस से की है। कुशीनगर जिले के पिपरही निवासी वीरेंद्र पाण्डेय अपना और अपने बेटे का इलाज कराने मेडिकल कॉलेज मंगलवार को आये थे अपने बेटे को सुपरस्पेशलिटी ब्लॉक के न्यूरोलॉजी विभाग में दिखाए और अपने को खुद नेहरू चिकित्सालय के ऑर्थो ओपीडी में पर्ची जमा कर रहे थे। उसी समय पीछे जेब में रखा एक हजार रुपये पाकेटमार ने निकाल लिया।

अधिक संख्या में प्री-लिटिगेशन के वादों को निस्तारित कराएं –नोडल अधिकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आठ मार्च को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए बैठकों का दौर जारी है। विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम एवं नोडल अधिकारी मोहन कुमार ने अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता की उपस्थिति में एडीआर भवन में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। नोडल अधिकारी ने कहा कि आठ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय परिसर, पारिवारिक न्यायालय, कलेक्ट्रेट, सभी पांचों तहसीलों, उपभोक्ता फोरम एवं अन्य विभागों में होगा जिसमें जुर्म संस्वीकृति तथा सुलह–समझौते के आधार पर मामलों का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से अपने–अपने विभागों से सम्बन्धित प्री–लिटिगेशन के वादों को अधिक से अधिक संख्या में नियत कर निस्तारित कराने के निर्देश दिए। बैठक में स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष अब्दुल कैयूम, सदस्य अनामिका, व सुरेन्द्र मिश्र, लीगल एड डिफेंस काउन्सिल के अधिवक्ता राजेश कुमार तिवारी, डिप्टी चीफ असिस्टेंट शरद पांडे, सश्री बुतूल जेहरा, कृषि विभाग, जिलापूर्ति, समाज कल्याण, जिला प्रोवेशन, आबकारी, भूमि संरक्षण, श्रम एवं श्रम विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

योजनाओं को लेकर किया जागरूक

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में मंगलवार को एससीएसपी योजना के तहत बांसगांव विकास खंड परिसर में एक दिवसीय जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एके पाल ने विभागीय योजनाओं के साथ लोगों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान तथा पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के बारे में लोगों को जागरूक किया। इसके साथ ही उन्होंने माटीकला से जुड़े लोगों को विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया। अधिकारियों ने कहा कि किसी प्रकार की समस्या आने पर विभाग से सम्पर्क करें। कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शिवाजी सिंह, अनिरुद्ध सिंह चौहान, विजय कुमार, आरिफ, अखिलेश, वीके तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 02/2025
राज कुमार–सायलान
1. राजकुमार उम्र लगभग 32 साल 2. राकेश कुमार यादव उम्र लगभग 31 साल 3. राजेश कुमार उम्र लगभग 28 साल पुत्रगण सूर्यनरायन
4. अर्चना यादव उम्र लगभग 24 साल पुत्री सूर्यनरायन 5. श्रीमती लाली पत्नी रामदेव उम्र लगभग 73 साल समस्त निवासीगण अजगैवा जंगल तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 10–03–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 10–03–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक स्व0 दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com